ध्येय पथ
फरवरी माह की गतिविधियाँ

बी.एड्. में विशिष्ट व्याख्यान :

01 एवं 02 फरवरी को बी.एड्. विभाग में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। 01 फरवरी को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष प्रो. शैलजा सिंह ने 'अभिक्रमित अनुदेशन के विभिन्न प्रकार' विषय पर व्याख्यान दिया। 02 फरवरी को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र के प्रो. राजेश कुमार सिंह ने 'क्रियात्मक अनुसंधान' विषय पर अपना महत्वपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बी.ए. विभाग के भाग एक एवं दो के विद्यार्थियों सहित शिक्षक उपस्थित रहे।

हिन्दी विभाग में राष्ट्रीय कार्यशाला 03–04 फरवरी :
उद्घाटन समारोह

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ एवं महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वाधान में 03 एवं 04 फरवरी को ''स्वतंत्र भारत में हिन्दी की विकास यात्रा'' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, में किया गया। 03 फरवरी को आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन माननीय विधान सभा अध्यक्ष श्री ह्रदय नारायण दीक्षित जी द्वारा किया गया। उद्घाटन अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द प्रसाद

द्वितीय तकनीकी सत्र :

द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता किसान पी.जी. कालेज, सेवरही, कुशीनगर के अवकाश प्राप्त प्राचार्य एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ0 वेद प्रकाश पाण्डेय ने ''राष्ट्र भाषा हिन्दी के अनन्य समर्थक'' विषय पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो0 पवन अग्रवाल ने भी '' हिन्दी और कम्प्यूटर'' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। मुख्य वक्ता डी.ए.वी. कॉलेज, कानपुर के हिन्दी विभाग की वरिष्ठ आचार्य डॉ0 गायत्री सिंह ने ''वर्तमान परिवेश में हिन्दी की स्थिति'' विषय पर प्रकाश डाला। इस सत्र में 19 प्रतिभागियों ने भिन्न–भिन्न शीर्षकों पर अपने शोध–पत्रों का वाचन किया।

तृतीय तकनीकी सत्र :

कार्यशाला के दूसरे दिन 04 फरवरी को प्रातः 09:00 बजे से तृतीय तकनीकी सत्र प्रारम्भ हुआ। इस सत्र की अध्यक्षता लखनऊ विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो. रमेश चन्द्र त्रिपाठी ने की। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के आचार्य डॉ0 अनुपम आनन्द ने बतौर मुख्य अतिथि ''हिन्दी की प्रकृति एवं विकास'' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। डी.ए.वी. कॉलेज, कानपुर के हिन्दी विभाग के उपाचार्य डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में ''हिन्दी भाषा का कार्यालयी उपयोग'' विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

विशेष व्याख्यान :

कार्यशाला में विशेष व्याख्यान कार्यक्रम के अवसर पर ''पत्रकारिता, बाजार एवं हिन्दी'' विषय पर उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त तथा ''हिन्दी और मीडिया'' विषय पर प्रो. पवन अग्रवाल ने शोधपूर्ण

व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़ के प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने की।

चतुर्थ तकनीकी सत्र :

चतुर्थ तकनीकी सत्र विशुद्ध रूप से हिन्दी के व्यवहारिक पक्ष पर आधारित प्रशिक्षण सत्र के रूप में समानान्तर 04 कक्षाओं में संचालित किया गया। प्रथम कक्ष (कौटिल्य) में संचालित प्रशिक्षण सत्र के अध्यक्ष के रूप में जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो. सिद्धार्थ शंकर त्रिपाठी एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में डी.सी.एस. खण्डवाल पी.जी. कालेज, मऊ के हिन्दी विभाग के डॉ0 सर्वेश पाण्डेय उपस्थित रहे। इसी प्रकार द्वितीय कक्ष (वराहमिहिर) में संचालित प्रशिक्षण सत्र के अध्यक्ष लखनऊ विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो. रमेशचन्द्र त्रिपाठी एवं विषय विशेषज्ञ डी.ए.वी. डिग्री कॉलेज, कानपुर के डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह रहे। तृतीय कक्ष (समर्थगुरू रामदास) में संचालित प्रशिक्षण सत्र के अध्यक्ष प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ0 सुशील कुमार पाण्डेय ''साहित्येन्दु'' एवं विषय विशेषज्ञ लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो0 पवन अग्रवाल रहे। चौथे कक्ष (छत्रपति शिवाजी) में चलने वाले प्रशिक्षण सत्र के अध्यक्ष डी.एस.वी. पी.जी. कॉलेज, आजमगढ़ के डॉ0 जगदम्बा प्रसाद दूबे एवं उन्नाव से आयी डॉ0 मीनाक्षी सिंह विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहीं। सभी प्रतिभागी बराबर–बराबर संख्या में विभाजित होकर चारो कक्षों में उपस्थित रहे।

समापन समारोह :

समापन समारोह में कार्यक्रम अध्यक्ष दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. विजय कृष्ण सिंह, मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं पूर्व आचार्य, हिन्दी विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. रामदेव शुक्ल का मूल्यवाची व्याख्यान हुआ। मंचस्थ अतिथियों में उत्तर प्रदेश हिन्दी

संस्थान, लखनऊ के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त, डॉ0 वेद प्रकाश पाण्डेय, प्रो0 पवन अग्रवाल, प्रो0 अनुपम आनन्द, डॉ0 सुशील कुमार पाण्डेय, डॉ0 जगदम्बा प्रसाद दूबे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यशाला की संयोजिका डॉ0 आरती सिंह ने दो दिनो की कार्यशाला के समस्त गतिविधियों की रिपोर्ट का वाचन किया। अन्त में महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव के समस्त अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रतिभागियों के अतिरिक्त महानगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना : एक दिवसीय शिविर

04 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना का तृतीय एक दिवसीय शिविर अभिगृहित गाँव मझंरिया, जंगल धूसड़, गोरखपुर में सम्पन्न हुआ। शिविर में गुरू श्री गोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छता, साक्षरता एवं स्वास्थ्य से सम्बन्धित जनजागरण एवं श्रमदान का कार्य किया।

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा :

06 फरवरी से 19 फरवरी तक महाविद्यालय में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा आयोजित की गयी। यह परीक्षा पूर्णतः विश्वविद्यालय परीक्षा पद्धति पर सम्पन्न करायी जाती है। परीक्षा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थी का आगामी विश्वविद्यालय की परीक्षा की तैयारी का अभ्यास कराने का होता है। 23 फरवरी को परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। विद्यार्थी मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका का अवलोकन कर त्रुटि को ठीक करते हैं।

सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण परीक्षा :

19 एवं 20 फरवरी को योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई कढ़ाई एवं पेंटिंग का प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरान्त प्रशिक्षार्थियों का लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा आयोजित की गयी।

राष्ट्रीय सेवा योजना : सप्त दिवसीय विशेष शिविर एवं बी.एड्. विभाग में रोवर्स रेंजर्स शिविर

20 से 26 फरवरी तक राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत संचालित गुरू श्री गोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप ईकाई का संयुक्त सप्त दिवसीय विशेष शिविर अभिगृहित गाँव मझंरिया, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आयोजित है तथा बी.एड्. विभाग में रोवर्स रेंजर्स शिविर का आयोजन।